

नाभकीय संलयन ऊर्जा

प्रलिस के लयः

टोकामक, नाभकीय संलयन, नाभकीय संलयन और नाभकीय वखंडन के बीच अंतर ।

मेन्स के लयः

नाभकीय संलयन के लाभ, स्वच्छ ऊर्जा ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूनाइटेड किंगडम के वैज्ञानिकों ने कहा कि उन्होंने नाभकीय संलयन ऊर्जा के उत्पादन में या सूर्य से ऊर्जा उत्पादन के तरीके की समान प्रक्रिया स्थापति करने में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है ।

- नाभकीय संलयन द्वारा उत्पन्न ऊर्जा मानव जाति की लंबे समय से चली आ रही खोजों में सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि यह तुलनात्मक रूप से काफी स्वच्छ मानी जाती है अर्थात् यह कम कार्बन का उत्सर्जन करती है, साथ ही यह तकनीकी दक्षता के साथ 100% स्वच्छ हो सकती है ।
- एक किलोग्राम संलयन ईंधन में एक किलो कोयले, तेल या गैस की तुलना में लगभग 10 मिलियन गुना अधिक ऊर्जा होती है ।

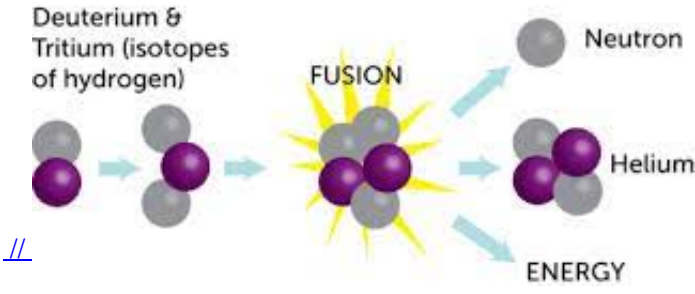
कहाँ किया गया यह प्रयोग?

- यह प्रयोग 'संयुक्त यूरोपीय टोरस सुविधा' (JET) साइट में किया गया, जो क्दिनया में अपनी तरह की सबसे बड़ी परचालन साइट है ।
- यह ऊर्जा 'टोकामक' नामक मशीन में उत्पन्न की गई, जो क्दिन डोनट के आकार का उपकरण है ।
 - टोकामक एक मशीन है, जो चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करके प्लाज़्मा को सीमति करती है, इस प्रक्रिया को वैज्ञानिक भाषा में 'टोरस' नाम से जाना जाता है ।
- ड्यूटेरियम और ट्राइटियम हाइड्रोजन के समस्थानक हैं, इनसे प्लाज़्मा बनाने हेतु इन्हें सूर्य के केंद्र की तुलना में 10 गुना अधिक तापमान पर गर्म किया गया ।
 - इसके लिये सुपरकंडक्टर इलेक्ट्रोमैग्नेट्स का उपयोग किया गया क्योंकि यह घूर्णन के साथ संलयन की क्रिया करने में सक्षम है और ऊष्मा के रूप में अत्यधिक ऊर्जा उत्सर्जित करता है ।
- इन प्रयोगों का रिकॉर्ड और वैज्ञानिक डेटा ITER के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जो क्दिन JET का वृहद् और अधिक उन्नत संस्करण है ।

नाभकीय संलयन

- नाभकीय संलयन को कई छोटे नाभिकों के एक बड़े नाभिक में संयोजन के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसके बाद बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है ।
 - यह वखंडन की विपरीत प्रतिक्रिया है जिसमें भारी आइसोटोप विभाजित होते हैं ।
- संलयन वह प्रक्रिया है जो सूर्य के लिये ऊर्जा का स्रोत है और असीम स्वच्छ ऊर्जा स्रोत प्रदान कर सकती है ।
 - सूरज में अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण द्वारा उत्पन्न अत्यधिक दबाव संलयन की स्थिति पैदा करता है ।
- संलयन अभिक्रियाएँ प्लाज़्मा नामक पदार्थ की अवस्था में होती हैं । प्लाज़्मा एक गर्म, आवेशित गैस है जो सकारात्मक आयनों और मुक्त गतिवाले इलेक्ट्रॉनों से बनी होती है जिसमें ठोस, तरल एवं गैसों से अलग अद्वितीय गुण होते हैं ।
 - उच्च तापमान पर इलेक्ट्रॉन परमाणु के नाभिक से अलग हो जाते हैं और प्लाज़्मा या पदार्थ की आयनित अवस्था बन जाते हैं **प्लाज़्मा को पदार्थ की चौथी अवस्था** के रूप में भी जाना जाता है ।

Nuclear Fusion



नाभिकीय संलयन के लाभ:

- **प्रचुर मात्रा में ऊर्जा:** नियंत्रित तरीके से परमाणुओं को एक साथ मलाने से कोयले, तेल या गैस के जलने जैसी रासायनिक प्रतिक्रिया की तुलना में लगभग चार मिलियन गुना अधिक ऊर्जा और नाभिकीय वखिंडन प्रतिक्रियाओं (समान द्रव्यमान पर) की तुलना में चार गुना अधिक ऊर्जा उत्सर्जित होती है।
 - संलयन की क्रिया में शहरों और उद्योगों को बजिली प्रदान करने हेतु आवश्यक बेसलोड ऊर्जा (Baseload Energy) प्रदान करने की क्षमता है।
- **स्थिरता:** संलयन आधारित ईंधन व्यापक रूप से उपलब्ध है और लगभग वखिंडनीय है। ड्यूटेरियम को सभी प्रकार के जल से डिसिलिड किया जा सकता है, जबकि फ्यूजन प्रतिक्रिया के दौरान ट्रिटियम का उत्पादन किया जाएगा क्योंकि न्यूट्रॉन लथियम के साथ फ्यूजन करते हैं।
- **CO₂ का उत्सर्जन नहीं:** संलयन की क्रिया से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य ग्रीनहाउस गैसों जैसे हानिकारक वषिकृत पदार्थों का उत्सर्जन नहीं होता है। इसका प्रमुख सह-उत्पाद हीलियम है जो कफिक अक्रिय और गैर-वषिकृत गैस है।
- **लंबे समय तक रहने वाला रेडियोधर्मी कचरे से बचाव:** नाभिकीय संलयन रिएक्टर कोई उच्च गतविधि, लंबे समय तक रहने वाले परमाणु अपशषित का उत्पादन नहीं करते हैं।
- **प्रसार का सीमति जोखमि:** फ्यूजन में यूरेनियम और प्लूटोनियम जैसे वखिंडनीय पदार्थ उत्पन्न नहीं होते हैं (रेडियोधर्मी ट्रिटियम न तो वखिंडनीय है और न ही वखिंडनीय सामग्री है)।
- **पघिलने का कोई खतरा नहीं:** संलयन के लिये आवश्यक सटीक स्थितियों तक पहुँचना और उन्हें बनाए रखना काफी मुशकल है तथा यदि संलयन की प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी होती है, तो प्लाज़्मा सेकंड के भीतर टंडा हो जाता है और प्रतिक्रिया बंद हो जाती है।

अन्य संबंधति पहलें:

- **इंटरनेशनल थर्मोनयुकलियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (ITER)** असेंबली: इसका उद्देश्य ऊर्जा के व्यापक और कार्बन मुक्त स्रोत के रूप में 'नाभिकीय संलयन' की व्यवहार्यता को साबति करने के लिये दुनिया के सबसे बड़े टोकामक का निर्माण करना है। ITER के सदस्यों में चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
- **चीन का कृत्रमि सूर्य:** चीन द्वारा डिज़ाइन किया गया 'प्रायोगिक उन्नत सुपरकंडक्टिंग टोकामक' (EAST) उपकरण सूर्य द्वारा किये गए नाभिकीय संलयन प्रक्रिया के समान प्रक्रिया का संचालन करता है।

नाभिकीय संलयन बनाम नाभिकीय वखिंडन

	नाभिकीय वखिंडन	नाभिकीय संलयन
परभाषा	वखिंडन का आशय एक बड़े परमाणु का दो या दो से अधिक छोटे परमाणुओं में वभाजन से है।	नाभिकीय संलयन का आशय दो हलके परमाणुओं के संयोजन से एक भारी परमाणु नाभिक के निर्माण की प्रक्रिया से है।
घटना	वखिंडन प्रक्रिया सामान्य रूप से प्रकृति में घटति नहीं होती है।	प्रायः सूर्य जैसे तारों में संलयन प्रक्रिया घटति होती है।
ऊर्जा आवश्यकता	वखिंडन प्रक्रिया में दो परमाणुओं को वभाजति करने में बहुत कम ऊर्जा लगती है।	दो या दो से अधिक प्रोटॉन को एक साथ लाने के लिये अत्यधिक उच्च ऊर्जा की आवश्यकता होती है।
प्राप्त ऊर्जा	वखिंडन द्वारा जारी ऊर्जा रासायनिक प्रतिक्रियाओं में जारी ऊर्जा की तुलना में एक लाख गुना अधिक होती है, हालाँकि यह नाभिकीय संलयन द्वारा जारी ऊर्जा से कम होती है।	संलयन से प्राप्त ऊर्जा वखिंडन से नकिलने वाली ऊर्जा से तीन से चार गुना अधिक होती है।
ऊर्जा उत्पादन	वखिंडन प्रक्रिया का उपयोग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में किया जाता है।	यह ऊर्जा उत्पादन के लिये एक प्रायोगिक तकनीक है।

स्रोत: द हद्दि

